

पापपुण्यरहिता सगुणागुणा च DeviBhāP. iii. 23. 53; AgniP. 17. 1; BrNārāP. 2. 20; अगुणं बृहमक्षयमलिङ्गं शिवलक्षणम् LiṅgaP. i. 3. 3; BrahmP. 239. 94; GaṇeP. ii. 122. 15; SīvaP. ii(1). 9. 27 (48A. 7); अकारमूर्तिमगुणम् ... धारयेत् IsānSiPa. ii. 67. 14; SubhāRaK. 42. 24; तत्रैकं आहुरगुणं ब्रह्मेति KarmaNi. 1. 4; SaṅkhaDigVi. (Mā.) 8. 110; 14. 86; तस्य पुनर्...अगुणक्रियमात्मानव्यापारता, क इदानीं प्रत्ययार्थः उच्छादिषु युगशब्दः व्यञ्जनोऽगुणो निपात्यते SiddhāKau. 621B. 4.

**अगुण** (a-guṇa) *m.* 1 fault, demerit, defect, flaw, vice, bad quality गुणान् पद्यनिति नागुणान्। ... ये ते उत्तमपूरुषः MahāBhā. ii. 65. 6; vii. 9. 41; xii. 84. 16; xii. 104. 45; न हि कंचन पश्यामो राघवयागुणं वयम् Rāmā. ii. 859\*. 1; ii. 993\*. 10; ii. App. i. 25. 34; कर्मणि चैवां सर्वेषां योगायोग-गुणागुणाः। ... सर्वमेतत्समाख्यातम् CaraS. i. 1. 139; i. 27. 12; (जानीयात्) सारासारं च भाण्डानां देशानां च गुणागुणान् ManuSm. 9. 331; 3. 22; अवसानेषु सर्वैषामत्रसिनार्थाणः स्मृतः PauskS. 1. 51; 2. 9; बोधिसत्त्वः (? त्व) गोत्रे समाप्तेन चतुर्विध आदीनवः येन गोत्रस्तोऽगुणेषु प्रवर्तते MaYānaSū. 11. 27 (3. 7); गुणागुणान् वैशिके वक्ष्यामः KāmSū. 69. 4 (1. 5); उणागुणमनुचिन्त्य शरीरकाञ्चनकस्य EI. xvii. 347. 13; MārkP. 25. 12; MatsyaP. 215. 96; Kirātā. 6. 21; SiśuVa. 16. 44; मुक्तागुणस्तु हृदये मुक्तागुण एव विनितानाम् EI. xvii. 340. 7; हेपणम-गुणो यस्मिन् KuttaMa. 380; गुणा गुणाः अगुणा दोषाः ManuBh. i. 217. 18 (on 3. 22); PāraS. 30. 10; 10. 68; RāmC. 8. 86; YogVā. vi(2). 80. 37; प्रतिभाविवेकविकल्पा हि न गुणागुणयोर्विभागसूत्रं पातयति KāvyaMi. 14. 15; AgniP. 220. 23; SkandP. i(2). 58. 41; iv. 35. 224; i(2). 1. 53; BhaviP. 25B. 25 (i. 7. 16); SamrāSū. 44. 1; कापि कस्य च कुतोऽपि कारणाच्चित्तवृत्तिरिह किं गुणागुणैः SubhāRaK. 40. 22; ĀryāSaSa. 204; TrisaSaPuC. iii. 8. 17; RasāSū. 5. 15 (1. 32); निसर्गतस्त्रिवर्गः स्यादनित्याद्यागुणाच्चित्तः EI. xiv. 93. 59; भर्तृणामगुणं गुणं मदगुहात्...संचिन्त्य सर्वे वदेत् JātaPa. 16. 4; DandaVi. 199. 4; HammiMaKā. 2. 5; Acyutārā. 12. 39 + 16; अङ्गप्रत्यक्षनिर्वृत्तौ ये भवन्त्यगुणा गुणाः BhāvPra. (Bhā.) 3. 287; देशान्तराणां गुणागुणं लाभालाभेतुत्वम् BālamBha. i. 367. 19 (on 1. 119); SukrNi. 1. 132; गुणागुणौ यौवनम्...चतुरेणैव प्रयुज्जीति NātyaSā. 9. 99; CāṇaNiDa. 17. 4; SatTrayi. 37; अन्यथा त्वगुणं कृत्वा RasRaSa. 2. 16; भुजगः पादतलाहतोऽप्यकाले। न करोत्यगुणं क्यापि तु द्रुद्या PañcT. 1. 32 (28. 11); 2 non-attribute, not quality शब्दः स्पर्शवतामगुणः VaiśeSū. ii. 1. 25; न द्युगुणो द्युगुणिन् विकर्तुस्तहते Brha. 218. 5; IṣṭaSi. 90. 20; विभाषा इति योगविभागादगुणे क्लियां च क्लिवित् SiddhāKau. 150B. 15; 3 (Gr.) absence of *guna* operation दीर्घ इणः परोक्षायामगुणे Kātan. iii. 3. 17; iii. 4. 2; iii. 5. 42; iii. 6. 1; नकारोऽगुणार्थः KātanV. iii. 2. 15; iii. 5. 41; क्षिणोत्यावगुणे क्षिणोः DaivaVyā. 13; 4 name of the son of Yakṣa यशः ... तत्सुतस्त्वगुण-स्त्वासीत् SīvaP. v. 39. 24 (452A. 6); 5 ineffectiveness of medicine बूरादिते विलभे वैचाच्च गुणस्त्रौषधाद्रोगः। वृद्धिसुप्रयाति दशमे कूरैनिजबुद्धितोऽप्यगुणः TājīNi. iii(1). (5). 46 (342).

**अगुणक** (aguna-ka) *adj.* without attributes सर्वम्...अगुणकम् TattvMu. 4. 134.

**अगुणकण** (aguna-kaṇa) *m.* a little bit of vice अगुणकणो गुणराशिर्द्वयम्...खलमुखे पतितम्। प्रसरति तैलमिवैकः सलिले षट्वज्जडत्वमेत्यन्यः Subhāsi. 466.

**अगुणग्रन्थिगहन** (a-guṇaprananthigahana) *adj.* [f. -ā] who is different from one who is unfathomable due to the knot (i. e. combination) of the (three) qualities (i. e. Sattva, Rajas and Tamas) प्रकृतिमगुणग्रन्थिगहनाम्। ...लक्ष्मीमभिदधति सन्तो भगवतीम् DeviPañ. 5. 25.

**अगुणग्रह** (a-guṇapragraḥa) *adj.* who has no strong feeling (or attachment) for (the products or modifications of) the (three) *gunas* (viz. Sattva, Rajas and Tamas) निरीक्ष्य चेत्थं त्वगुणग्रहोऽगुणं न याति मोहं ग्रहदोष-मुक्तिः UpadeSā. 460. 26.

**अगुणग्राहिन्** (a-guṇapagrāḥin) *adj.* who does not know the merits अगुणग्राहिणोऽपि स्यादङ्गं सोऽपि गुणग्रहः PramāVār. 2. 155; मदस्य रागहेतुत्वेऽगुणग्राहिणोऽपि रागो भवेत् PramāVāBh. 123. 20.

**अगुणज्ञ** (a-guṇajña) *adj.* [f. -ā] who does not appreciate merits or virtues न एव दक्षिण्यमगुणज्ञः PañcT. 1. 103 (105. 12); नष्टो गुणोऽगुणज्ञः Tantrākhyā. 30. 9; भगवति कमलालये भृशमगुणज्ञसि MudrāRa. 2. 5(2); अगुणज्ञासीत्यधिक्षेपः HarsaC. 57. 7; अगुणज्ञो तव पितरौ JayMa. 227. 20 (on 3. 5); नैव नः प्रियतमोभयथासौ...। एकतो हि विगम्भगुणज्ञामन्यतः कथमदःप्रतिलम्भः

NaisC. 5. 69; वृथा दुर्घोड़नद्वान्...मया सूढेन त्वां गुणमगुणज्ञं प्रणमता Subbāsi. 449; 341; अगुणज्ञस्य कपटकृत्य कूवरस्य समीपे न स्थितोऽहम् KathāK. 162. 15.

**अगुणतस्** (a-guṇatas) *adv.* not secondarily, not subordinate (i. e. principally) अथगुणतो बाहुना अभिधीयमानव्यापारता, क इदानीं प्रत्ययार्थः BhāvanāVi. 32. 3; 38. 3; 109. 2; 179. 3.

**अगुणता** (aguna-tā) *f.* 1 the state of being without a bow-string आपच्चापं बलारेन परमगुणात् पूर्वप्रणोदिष्णोऽपि CaṇḍiS. 65; 2 the state of being without efficiency, uselessness, futility, CaṇḍiS. 65; प्रयुक्ता नूनमाः (? म)स्थाने प्रणयप्रशमक्षमाः 1 प्रयान्त्यगुणतामेव मानस्तानिकराः परम् RāmāMañ. 306. 16; 3 the state of having no quality वैशेषिकपक्षेऽगुणतया तदभावात् KhaṇḍanKhā. 624. 24; 4 absence of merit, defect रसास्वादो व्यवहितप्राय इत्यस्यागुणता (छेषस्य) SahiDa. 464. 2.

**अगुणत्याग** (a-guṇatyāga) *m.* absence of abandonment of three qualities (viz. Sattva, Rajas and Tamas) अगुणत्यागाच्चायेवम्। यदा हि नाहं न मम किंचिदिति मुक्ताहिकारमकारो भवति तदा ब्रह्मता भवति ManuBh. ii. 468. 18 (on 12. 50)

**अगुणत्व** (aguna-tva) *n.* 1 the state of having no speciality (in the form of being enjoined as accessory etc.) स्त्रौवैण वागुणत्वाच्छेषप्रतिषेधः MīmāSū. x. 7. 44; x. 7. 48; 2 the state of not being an accessory or subordinate rite समवादगुणत्वम् MīmāSū. xi. 1. 15; SābaBh. 2110. 8 (on xi. 1. 15); अन्येषामगुणत्वं स्यात्। अनज्ञत्वमित्यर्थः SābaBh. 2110. 18 (on xi. 1. 15); अगुणत्वादनामवादमन्त्रवादनन्त्वये । अष्टत्वाद्यप्रमाणं चेन्नाथवादतयाच्चात् NyāyāMaVi. 54. 5 (on i. 4. 12); 3 (Gr.) the state of not having the *guna*-substitute अतोऽन्यत्र विश्वासे वागुणत्वम् Vār. 7 on P. vii. 3. 85; अगुणत्वं विदेस्तथा PrakriKau. ii. 67. 1; युग श्वि धवन्तः। निपातनादगुणत्वं कालविशेषे रथाद्यवयवे च प्रयोगः। अन्यत्र योगः Prasā. ii. 746. 8; 4 i the state of not possessing the qualities (Sattva, Rajas and Tamas) (पुरुषः) कसादकर्ता । उदासीनत्वादगुणत्वाच्च TattvSa. 123. 15 (on 3); 4 ii the state of not possessing qualities or being free from qualities नान्योऽवयवयवयवेभ्यो द्रव्यान्तरगुणानां द्रव्यान्तरगुणाकारणत्वे अगुणत्वप्रसङ्गात् NyāyāVār. 231. 8 (on ii. 1. 31); नापि गुणद्राको व्ययः संभवति अगुणत्वात् MundāUBh. 310. 6 (on i. 1. 6); अत आत्मनोऽपि...अगुणत्वं बाभ्युपेयम् IṣṭaSi. 90. 13; 358. 16; तज्जातित्वे सति अगुणत्वसंख्यात्वैकत्वानामन्यतमत्वं तत् TarkSam. (Ā.) 2. 18; 58. 1; गुणत्वे तु न ज्ञानाश्रयत्वसंभवः गुणानामगुणत्वात् SrutaPra. iA. 150. 23 (on i. 1. 1); न च वैद्यस्यागुणत्वमुत्तरस्य सगुणत्वमिति वाच्यम् ApuBh. 27. 6 (on i. 1. 11); 4 iii the state of not having the requisite standard quality अगुणत्वगुण-संत्रयैः। यथाकामात् पदार्थानामर्थं हीनाधिकं भवेत् SukrNi. 2. 359; 5 i the state of not possessing any virtue or meritorious quality तस्मान्मौनेन भोक्तव्यमगुणत्वमनिच्छता BhaviP. 211A. 28 (i. 140. 33); 5 ii the state of not being a quality पिठोपादानत्वेऽपि कर्मणोऽगुणत्वात् NyāyāVārPari. 518. 11; संयोगस्य ... अगुणत्वोपपत्तौ अव्यवच्छेषत्वात् VedāntKa. 266. 9 (on ii. 2. 13); 5 iii the state of not being a merit (i. e. the state of not being described as merit) अत पर्यन्ते ... गुणस्य दोषवेनावर्णनात् तत्वेन वर्णयन्त्वे च रवितुर-गायदानस्यागुणत्वात् व्याजस्तुतिः RasGaṇ. 691. 13.

**अगुणत्वप्रसङ्ग** (agunatva-prasaṅga) *m.* contingency of (the defect of) the state of being free from qualities नान्योऽवयवयवयवेभ्यो द्रव्यान्तरगुणानां द्रव्यान्तरगुणाकारणत्वे अगुणत्वप्रसङ्गात् NyāyāVār. 231. 8 (on ii. 1. 31)

**अगुणत्वोपपत्ति** (agunatvopapatti) *f.* the possibility of not being a quality संयोगस्य ... अगुणत्वोपपत्तौ अव्यवच्छेषत्वात् VedāntKa. 266. 9 (on ii. 2. 13)

**अगुणदर्शन** (aguna-darśana) *n.* perception of the defect तत एव च नामीयद्वेरपि गुणक्षणम्। करणं हीयते सापि तस्मान्नागुणदर्शनात् PramāVār. 2. 246.

**अगुणदर्शीन्** (a-gunadarśin) *adj.* who does not perceive or appreciate merits or virtues सती ... स्वसुतापि च। नाहृता यज्ञविषये दक्षेणागुणदर्शना SīvaP. ii(2). 27. 23 (103A. 12)

**अगुणनिबन्धनत्व** (agunabandhana-tva) *n.* the nature of not being caused by quality साधितं हि द्वित्वादिव्यवहारस्य अगुणनिबन्धनत्वम् TarkSam. (Ā.) 64. 14.

**अगुणनिस्राव** (aguna-nisrāva) *m.* faulty discharge हिंस्यते धमनीमर्मे यदा नागस्य मर्मसु। तदाऽप्यगुणनिश्रावः (? स्ता) वाद्वज्ञस्यजति जीवितम् Hastyāyur. 514. 30 (3. 23)

**अगुणपरतन्त्र** (aguna-paratantra) *adj.* which depends on what is other than a quality or property (i. e. its possessor) गुणानामगुणपरतन्त्र-स्वभावत्वात् NayaVi. 12I. 2 (on i. 1. 5)